Phone # 0294-2470119(O) Fax#0294-2471056

College of Technology and Engineering

Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur-313001

N0.CTAE/FMP/2017-18/
Dated: 31/07/2017

प्रेस विज्ञप्ति

21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन।

उदयपुर 31.07.2017 सोमवार। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ''ग्रामीण युवाओं के बीच कौशल आधारित कृषि उद्यमों के विकास के माध्यम से रोजगार सृजन'' विषय पर 21 दिवसीय आई सी ए आर अनुमोदित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि प्रो. उमाशंकर शर्मा कुलपति म.प्र.कृ.प्रौ.विश्वविद्यालय उदयपुर, सम्मानित अतिथि डा. पी बी काले डायरेक्टर इंदिरा गांधी इन्स्टीटयूट फोर रूरल इण्डस्ट्रीयलाइजेशन वर्धा महाराष्ट्र, विशिष्ठ अतिथि इंजिनियर सुहाष मनोहर, सदस्य बोम्ब म.प्र. कृ.प्रौ.विश्वविद्यालय, इनके अतिरिक्त डा. एस एस बुरडक, निदेशक अनुसंधान, डा. जी एस तिवारी, निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय, डा. एस एस राठौड़ अधिष्ठाता सीटीएई, डा. लोकेश गुप्ता कोर्स डायरेक्टर आदि उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती मॉ के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। सबसे पहले डा. एस एस राठौड़ ने सभी पधारे हुए अतिथियों का स्वागत किया तथा उन्होने बताया कि आज का युवा कृषि में अपनी रूचि नहीं रखता। ग्रामीण युवाओं में कृषि के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाके ग्रामीण युवाओं को कृषि की ओर आकर्षित किया जा सकता है। **कोर्स डायरेक्टर डा. लोकेश गुप्ता** ने ग्रीष्मकालीन 21 दिवसीय कोर्स के बारे में बताया तथा इस कोर्स में देश के 10 राज्यों से आसाम, जम्मू, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, हरियाणा आदि से पन्द्रह अलग अलग कृषि विश्वविद्यालयों के 18 अलग अलग विषयों के 25 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया। अनुसंधान निदेशक डा. बुरडक ने बताया कि यह प्रशिक्षण मुख्य तीन बातों पर आधारित है वह है कौशल, उद्यमिता, ग्रामीण युवा। उन्होने बताया कि सभी लोगो में एक अपनी अलग तरह की कौशल क्षमता होती है जिसे सुधारने की जरूरत है। उद्यमिता के लिये कौशल की जरूरत है जिसमें यह विशेषता होती है कि वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते है। गावों में कच्चा माल आसानी से उपलब्ध हो जाता है जिससे ग्रामीण युवा अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते है। इसके लिये युवाओं को इसी ओर

आकर्षित करना पड़ेगा। डा. जी एस तिवारी ने बताया कि ग्रामीण युवाओं का शहरों की ओर पलायन हो रहा है उसे रोकना पड़ेगा। युवाओं को आकर्षित करने के लिये केन्द्र सरकार ने आर्या योजना शुरू की है। राजस्थान सरकार भी इसके बारें में चिन्तित है इसके लिये हर केवीके पर दीनदयाल युवा कौशल केन्द्र की स्थापना की जा रही है। विशिष्ठ अतिथि इंजिनियर सुहाष मनोहर ने बताया कि भारत की 50 प्रतिशत लोग कृषि से जुड़े हुए है जिसका जीडीपी में 16 प्रतिशत योगदान है। राजस्थान जैसे क्षैत्र में जहॉ साल भर खेती नही होती वहा पर ग्रामीण युवाओं में कौशल विकास जरूरी है जिससे वे अपना उद्यम शुरू कर पायें। डा. पी बी काले ने बताया कि उनके संस्थान से अब तक 17000 छात्रों ने कौशल का प्रशिक्षण लिया है जिसमें से 25 प्रतिशत लोगो ने अपना रोजगार शुरू किया और वे अभी 20 से 25 हजार रूपये पति माह कमा रहे है। इस तरह का प्रशिक्षण का आयोजन कर ग्रामीण युवाओं को उद्यमिता की ओर आकृर्षित कर सकते है जिससे उनके जीवन स्तर के साथ साथ आर्थिक स्तर में भी सुधार होगा। कुलपति प्रो. उमाशंकर शर्मा ने बताया कि 231 मिलियन लोग कृषि से जुड़े है । बढ़ते शहरीकरण व औद्योगिकरण के कारण भूमि का उपयोग बदला है। उन्होने मूल्य समर्थन इ मार्केटिंग के साथ उद्यमिता पर जोर दिया। उत्पादन से लेकर अन्तिम उत्पाद तक का ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। इन्होने बताया कि आगामी 2022 तक किसानों की आय को दुगुना करना है जिसके लिये कृषि के साथ डेयरी, कुक्कट पालन, जैविक खेती, खाद्य प्रसस्करण और कृषि के साथ उद्यमिता के माध्यम से ही संभव है।

डा. एस एम माथुर विभागाध्यक्ष फार्म मशीनरी एवं पावर विभाग ने धन्यवाद की रस्म अदा की। कार्यक्रम का संचालन डा. निकीता वधावन ने किया।

डा. लोकेश गुप्ता

कोर्स डायरेक्टर